Title: Need to look into the problems of the refugees in Jammu and Kashmir. − Laid.

श्री मदन लाल शर्मा (जम्मू): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान जम्मू और कश्मीर के बॉर्डर में बसने वाले इस मुल्क के महफिज और मासूम लोगों की तरफ दिलाना चाहता हूं कि जो पिछले 5 सालों से अपने घर छोड़कर रह रहे हैं। जिनके घर तबाह हो गये हैं, माल-मवेशी मारे गये हैं और जमीन जंगल की तरह अख्तियार कर ली गयी है और लोग खुद एक टैंट में गुजारा कर रहे हैं। उन लोगों को राशन, कैश रिलिफ और मिट्टी के तेल चार-चार महीने से नहीं मिल रहा है। पिछले 10 साल से 78 करोड़ का एक पैकेज रियासती सरकार ने केन्द्र सरकार को रिकमेंड किया था, परन्तु उनकी सैंक्शन नहीं दी गयी। जिसकी वजह से राजौरी, पुंछ और जम्मू जिलों में रिफयूजी आसमान के नीचे गुजारा कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि रिफयूजी लोगों के लिए स्थायी व्यवस्था की जाये। उनका बकाया रिलीफ फण्ड जल्दी प्रदान करें और रियासती सरकार को हिदायत दें कि उनकी परेशानियों को शीघ्र हल किया जाये। अब जबकि पीस प्रोसेस की बात की जा रही है तो उन पीड़ित लोगों को वापस बसाने और उनके जमीन का बंदोबस्त पूरी तरह किया जाये।